

# राष्ट्रीय नवीन मेल

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित



## जवाब न देना कोई बहादुरी नहीं होती



**ठैथड़**  
आनंद सिंह  
कुछ सवाल ऐसे होते हैं, जिनका जवाब देना चाहिए। बेशक, वजीर-ए-आजम को भी। लेकिन, जैसा कि देशवासी उम्मीद कर रहे थे, उनको उम्मीद से पेरे जाकर देश के वजीर-ए-आजम ने उन सातों सवालों की तरफ ताक नहीं। अलबात, लोकसभा और राज्यसभा में उहाने ग्रन्थ: जो 88 मिट्ट और 90 मिनटों का भाषण दिया, उसमें बीते 9 साल में उहाने व्या-व्या किया, उसका ही जिक्र करते रहे। राहुल गांधी, जो पहले कांग्रेस के सदर भी रह चुके हैं, उहाने देश के वजीर-ए-आजम श्रीमान नरेंद्र मोदी से सात सवाल पूछ थे। जाहिर है, जब सवाल प्लाईट ढौं तो उसका



जवाब देना चाहिए। बेशक, वजीर-ए-आजम को भी। लेकिन, जैसा कि देशवासी उम्मीद से पेरे जाकर देश के वजीर-ए-आजम ने उन सातों सवालों की तरफ ताक नहीं। अलबात, लोकसभा और राज्यसभा में उहाने ग्रन्थ: जो 88 मिट्ट और 90 मिनटों का भाषण दिया, उसमें बीते 9 साल में उहाने व्या-व्या किया, उसका ही जिक्र करते रहे। राहुल गांधी, जो पहले कांग्रेस के सदर भी रह चुके हैं, उहाने देश के वजीर-ए-आजम श्रीमान नरेंद्र मोदी से सात सवाल पूछ थे। जाहिर है, जब

वातवीत में उनके बयान की मजम्मत करने से खुद को रोक नहीं पाए। संघ, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे संगठनों ने कोई प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं समझी, हालांकि ये आमतौर पर होता नहीं है। जाहिर है, सभी को वजीर-ए-आजम की बातें सुहाइ नहीं हैं। देश के उन नौजवानों को तो कहाँ नहीं, जो भी कहा, उसमें कोई दम नहीं होता। उनका तर्क है कि बाजार उनसे संभाले नहीं संभल रहा। बोजानारी मुहूर्म और इंडिया विडियोट कांग्रेस की मुहिम को सफल होते देख रहे हैं। हालांकि, आप सोशल मीडिया पर चले जाएं तो वहाँ की स्थिति बेहद अलग है। वहाँ जो तंज करे जा रहे हैं, उन्हें

वहाँ लिख पाना उचित नहीं है। मूल बात यह है कि आप बीते 9 साल से शासन में हैं। आप उन 9 सालों का हिसाब-फिताब देने के मूड में हैं ही नहीं। अगर कांग्रेसी संसद यहाँ गांधी ने आपतौर पर होता नहीं है। जाहिर है, सभी को वजीर-ए-आजम की बातें खुहाई नहीं हैं। देश के उन नौजवानों को तो कहाँ नहीं, जो नौकरी के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं। कुछेक लोग ही हैं जो इसमें इंडियोटेंट इंडिया और इंडिया विडियोट कांग्रेस की मुहिम को सफल होते देख रहे हैं। हालांकि, बात की अपने तह की बात अन्यथा थी। लेकिन, वहाँ तो इंदिरा गांधी से लेकर नेहरू तक की खिलालिवर करने में कांडे करना नहीं छोड़ी थी। देश का सेंटीटेंट कभी नेहरू-इंडिया के लिए बेहद हार्द हुआ करता था, इस तथ्य को खारिज करना बेहद महांगा पड़ सकता है।

### कांग्रेस को अपने किये की सजा मिल चुकी है

वजीर-ए-आजम ने सबालों का जवाब न देते हुए बिना नाम भाजपा के सम्म का ही फल है। हिंसा तरीके से कांग्रेस की भाषणीयां भी भूल गए। एक वजीर-ए-आजम के मुहूर से देश-दुर्घटना ने वा हल्की बातें सुनी, जो इक्षेष्वर के फल नहीं सुनी गई थीं। कांग्रेस अपने कर्मों का फल थोग रही है। वह लोकसभा में मात्र दहाई संख्या में है। तिहाइ में हीरी तो शायद सरकार उसकी ही हीरी, जो बरस-बरस रही है। लेकिन, अगर वह दहाई में ही तो उसके कर्मों का फल ही तो है। ऐसे ही, अगर भाजपा सत्ता में है तो अपने कर्मों के कारण ही। लेकिन, ये किसी के भी साथ ही सकता है। यूपी में बसापा, बिहार में जदूया को देख लें। कई पार्टीयों ने ज्यादा महत्वाकांक्षी होता है, उसे ज्यादा भुगतना भी पड़ता है।

सवाल का हार हाल में देना चाहिए था जवाब होना यह चाहिए था कि सवाल का हार हाल में जवाब दिया जाता। मिसान तय करती कि राहुल गांधी सही था या फिर वजीर-ए-आजम का जवाब। सियासत के किसी कांचे खिलाड़ी की तरह जिस तरीके से इन सवालों को हासिले ये पर डालने देश-दुर्घटना के कांश की बात दर्शाता है। ताकि इनकार करेंगे क्या?

## आत्मनिर्भर झारखंड

**सीएम बोले : एक ऐसा झारखंड बनाएं, जहाँ हर व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो**



### झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स इंप्लाइज फेडरेशन

झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स इंप्लाइज फेडरेशन नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन सिस्टम का नया स्वरूप है। एक बेहतर कार्यव्यापारी स्थापित करनी होगी। एक ऐसा आत्मनिर्भर झारखंड बनाएं, जहाँ का हर व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो और पूरे मान-सम्मान के जीवन यापन कर सके। यह सही है कि निर्णय लेना सरकार का काम है, लेकिन इंटीर्मीटिंग अधारिटी होने के नाते उसे धरातल पर उतारना और उसे लोगों तक पहुंचाना आपका काम है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सभागार में नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन सिस्टम के नए स्वरूप झारखंड बनाएं, जहाँ का हर व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो और पूरे मान-सम्मान के जीवन यापन कर सके। यह सही है कि निर्णय लेना सरकार का काम है, लेकिन इंटीर्मीटिंग अधारिटी होने के नाते उसे धरातल पर उतारना और उसे लोगों तक पहुंचाना आपका काम है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सभागार में नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन सिस्टम के नए स्वरूप झारखंड बनाएं, जहाँ का हर व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो और पूरे मान-सम्मान के जीवन यापन कर सके।

के रूप में लाया गया है। इस फेडरेशन में राज्य सरकार के सभी अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। आज के इस अधिवेशन के में इस फेडरेशन के 'लोगों' का अनावरण हुआ। झारखंड में पुरानी पेंशन योजना लागू होने के बाद नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन सिस्टम को नए संगठन

### हमारे पूर्वज दूरदर्शी

सीएम ने कहा कि हमारे अगुआ और पूर्वज काफी दूरदर्शी थे। वे योजनाएं लंबे भवित्व को देखकर बनाकर थे ताकि अनेवाली पीढ़ी को उसका लाभ मिल सके। हमारी सरकार भी अपने नीतियों को उसी हिसाब से निर्णीत कर रही है, ताकि अनेवाली वात झारखंड के लिए खुशाली, समृद्धि और उन्नति का द्वारा खोल सके।

### हर योजना को लागू करने के पीछे है विशेष मकसद

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जो भी योजनाएं शुरू की हैं, उसके पीछे एक विशेष मकसद है जो नेशनिक सम्प्रदाय के लिए विश्वविद्यालय सभागार में नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन सिस्टम के नए स्वरूप झारखंड बनाएं, जहाँ का हर व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके और कार्यव्यक्ति को अपने पैरों पर खड़ा हो सके।

कर सकें। उन्होंने कहा कि हमारा योजना को लागू करने के लिए विश्वविद्यालय सभागार में आगे बढ़ कर रही है, जो पूरे योजना को लागू करने के साथ जीवन यापन कर सके। योजना का इमानदारी से प्रयास करने के लिए विश्वविद्यालय सभागार में आगे बढ़ कर रही है, जो पूरे योजना को लागू करने के साथ जीवन यापन कर सके।

बुढ़ापे की लाठी होती है पेंशन

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना बुढ़ापे की 'लाठी' होती है। अगर यह देश के लिए एक उदाहरण पेश कर सके और अन्य राज्य उसे अपने योजनाएं से जोड़ सके तो आगे यह बढ़ाव देना चाहिए। योजना योजना या अन्य तमाम योजनाएं हैं।

कर सकें। उन्होंने कहा कि हमारा योजना को लागू करने के लिए विश्वविद्यालय सभागार में आगे बढ़ कर रही है, जो पूरे योजना को लागू करने के साथ जीवन यापन कर सके।

जाएगा। इसी सोच को ध्यान में रखकर हुए से बासर के लिए विश्वविद्यालय सभागार में आगे बढ़ कर रही है। योजना बुढ़ापे की 'लाठी' होती है। अगर यह देश के लिए एक उदाहरण पेश कर सके और अन्य राज्य उसे अपने योजनाएं से जोड़ सके तो आगे यह बढ़ाव देना चाहिए। योजना योजना या अन्य तमाम योजनाएं हैं।

जाएगा। इसी सोच को ध्यान में रखकर हुए से बासर के लिए विश्वविद्यालय सभागार में आगे बढ़ कर रही है। योजना बुढ़ापे की 'लाठी' होती है। अगर यह देश के लिए एक उदाहरण पेश कर सके और अन्य राज्य उसे अपने योजनाएं से जोड़ सके तो आगे यह बढ़ाव देना चाहिए। योजना योजना या अन्य तमाम योजनाएं हैं।

जाएगा। इसी सोच को ध्यान में रखकर हुए से बासर के लिए विश्वविद्यालय सभागार में आगे बढ़ कर रही है। योजना बुढ़ापे की 'लाठी' होती है। अगर यह देश के लिए एक उदाहरण पेश कर सके और अन्य राज्य उसे अपने योजनाएं से जोड़ सके तो आगे यह बढ़ाव देना चाहिए। योजना योजना या अन्य तमाम योजनाएं हैं।

जाएगा। इसी सोच को ध्यान में रखकर हुए से बासर के लिए विश्वविद्यालय सभागार में आगे बढ़ कर रही है। योजना बुढ़ापे की 'लाठी' होती है। अगर यह देश के लिए एक उदाहरण पेश कर सके और अन्य राज्य उसे अपने योजनाए





## बसंत शबाब पर, खूब लगे हैं आम के मंजर; महक करती है मदहोश

नवीन मेल संवाददाता। खूब उत्तम बसंत इन दिनों पूरे शबाब पर है। एक ओर जहां जंलों और सड़क के किसारे सूखे लाल बन ज्योति (पलाश के फूल) और सेमल के फूल प्राकृतिक सौंदर्य को चार चांद लगा रहे हैं, वहाँ दूसरी ओर आम की टहनीयों पर खिले आम के मंजर इस बात का एहसास दिला रहे हैं कि इस बार आम की बंपर पैदावार होगी। पेंडों पर लदे आम के मंजरों को देखकर किसानों के चेहरे भी खिल गये हैं। आम उत्पादक किसानों को भरोसा है कि इस बार

### बंपर पैदावार होने की उम्मीद

आम की भरपूर फसल होगी। तोप्रा प्रखंड के किसान उत्पादक फुक्का सिंह कहते हैं कि मौसम अनुचूल रहा और मार्च-अप्रैल में थोड़ी बहुत बारिश हो गई, तो पिछले वर्ष की तुलना में आम की उपज अच्छी होगी। उनका कहना है कि मसस्त बर्सी बायर यदि आधी में तब्दील हो गई, तो आम के मंजर झाड़ जाएगी। किसानों का कहना है कि लाली और मधुवा रोग का प्रकाप अभी से दिखने लगा है।

  
खुंटी जिले में बीजू आम के साथ ही मालदा, दशहरी सहित अन्य वैश्यायी के आम की भरपूर पैदावार होती है। किसान अभी से मंजरों पर दवा का छिड़िकाव करने लगे हैं। जिला प्रशासन ने वैश्यायी ग्राम योजना के तहत जिले के छह प्रखंडों खटौंटी, तोरपा, कर्णा, रनिया, मुरूरू और अड़की प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में छह हजार एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में आम की बागवानी की है। तोरपा

के ही सुंदरी गांव के आम उत्पादक किसान और जिला परिषद के पूर्व सदस्य प्रेमजीत धेंगरा करते हैं कि झारखंड खासकर खटौंटी जिले की जलवायु और भौगोलिक स्थित आम की फसल के लिए काफी उपयुक्त है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहाँ उद्यानिक खेती की आपार सभावनाएं हैं।

## पारसनाथ पहाड़ी को लेकर आदिवासी संगठन ने किया रेल ट्रैक जाम कई ट्रेनें रद्द, कई का बदला गया मार्ग

नवीन मेल संवाददाता। सरायकेला सरायकेला-खरसावां जिले के चांगड़ा-रेलवे स्टेशन के समीप लैंगडीह-टाटानगर की बीच शनिवार सुबह आदिवासी संगठन अधियान के कार्यकर्ताओं ने आदिवासी धर्म कोड सरना लागू करने की मांग को लेकर रेल चक्राक जाम कर दिया। आदिवासी संगठन अधियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सालखन मुरू के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में आदिवासी संगठन की कार्यकर्ता अपने हाथों में तख्तायां, झंडा और बैनर लेकर को जाम किया। रेल चक्राक जाम से नीलांचल एक्सप्रेस और पुरुषोत्तम एक्सप्रेस घंटों तक रुकी रही। दर्जन भर से ज्यादा की संख्या में यात्री ट्रेनों को रह कर दिया गया। रेल चक्राक जाम से रेल यात्रियों को भारी परेशानी हुई। ट्रेनों पैसेंजर अप/डाउन, हावड़ा-



यात्रियों को पूरा रुपये रेलवे की आम किया। रेल चक्राक जाम से नीलांचल एक्सप्रेस और पुरुषोत्तम एक्सप्रेस घंटों तक रुकी रही।

### इन ट्रेनों को किया गया रद्द

टाटा-हावड़ा स्टील अप/डाउन एक्सप्रेस, झाड़ग्राम-धनबाद एक्सप्रेस, झाड़ग्राम-धनबाद एक्सप्रेस अप/डाउन एट्रेन, सुबह 8.50 बजे टाटानगर स्टेशन से खुलने वाली टाटा-खड़ग्राम-धनबाद एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया।

### इन ट्रेनों का बदला गया मार्ग

हावड़ा-पुणे दुरंतो और आनंद विद्यार्थी-भुवनेश्वर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन का मार्ग बदल कर चलाया गया। दोनों ट्रेनों को

टिटलापुणे इस्पात एक्सप्रेस ट्रेन, हावड़ा-बड़िविल जनशालावाई अप/डाउन आदि ट्रेनों को रेलवे की ओर से रद्द कर दिया गया है।

### इन ट्रेनों का बदला गया मार्ग

हावड़ा-पुणे दुरंतो और आनंद विद्यार्थी-भुवनेश्वर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन का मार्ग बदल कर चलाया गया। दोनों ट्रेनों को

मिलापुणे होकर चलाया गया। इस

कारण से रेल यात्री समय पर गंतव्य को नहीं पहुंच सके। इसी तरह से राजेंद्रनगर-टाटा-दुर्गा (13288) ट्रेन को सबसे पहले टाटानगर रेलवे स्टेशन से सामान्य रुट से हावड़ा के लिये रवाना किया गया। इसके बाद नीलांचल एक्सप्रेस (12876) ट्रेन को सामान्य रुट से हावड़ा-हावड़ा रेलवे स्टेशन से ही बदले मार्ग से चलाया गया। धनबाद से टाटानगर अनेवाली स्टेशन से ही बदले मार्ग से चलाया गया। धनबाद से टाटानगर अनेवाली स्टेशन से रेलवे कार दिया गया। इसके अलावा कुछ अन्य ट्रेनों को भी सामान्य रुट से ही बदले मार्ग से चलाया गया। रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को रुकावा कर दिया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम समाप्त होने के कारण बाकी ट्रेनों को सामान्य रुट से चलाने का काम किया गया। मुंबई-हावड़ा मेल ट्रेन (12809) को सबसे पहले टाटानगर रेलवे स्टेशन से सामान्य रुट से हावड़ा के लिये रवाना किया गया। योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

मुंबई-हावड़ा कुरला (18029) एक्सप्रेस को भी सामान्य रुट से ही बदले मार्ग से चलाया गया। रेल चक्राक जाम से रेलवे कार दिया गया। इसके अलावा कुछ अन्य ट्रेनों को भी सामान्य रुट से ही बदले मार्ग से चलाया गया। रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को रुकावा कर दिया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम समाप्त होने के कारण बाकी ट्रेनों को सामान्य रुट से चलाने का काम किया गया। मुंबई-हावड़ा मेल ट्रेन (12809) को सबसे पहले टाटानगर रेलवे स्टेशन से सामान्य रुट से हावड़ा के लिये रवाना किया गया। योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं देखने के बाद भी यात्रियों को अन्य ट्रेनों के लिये रवाना किया गया।

योजना थी, लेकिन रेल चक्राक जाम के सूचनाएं











पीएम ने एथलीटों को  
दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जम्मू और कश्मीर में आयोजित खेलों ईडिया पर नेशनल विंटर की तीसरे संस्करण में भाग लेनेवाले एथलीटों को शुभकामनाएं दी। पीएम मोदी ने टीवी किया : तीसरे खेलों ईडिया नेशनल विंटर गेम्स में हिस्सा लेने वाले सभी एथलीटों को शुभकामनाएं दी। वे गेम्स गुरुवार के सुरक्षा परिवेश में आयोजित किए जा रहे हैं। इससे जम्मू-कश्मीर में खेल संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा।

एसी मिलान ने टोरिनो को 1-0 से हराया



रोम/इटली। ओलिंपियर गिरौ की मदद से एसी मिलान ने सीरी ए में टीर्टीमों पर 1-0 से जीत दर्ज की। रोमेनी नए साल से खराब फॉर्म के साथ आगे बढ़े, उन्हें कोप्या इटालिया में बाहर निकलना पड़ा और इंटर मिलान को सुपरकोपा में झटका लाया। मिलान 41 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। वे मंगलवार को यूरोपीय चैम्पियनशिप के अंतिम-16 मुकाबले के पहले चरण में टोटेनहम हॉटस्पर को मेजबानी करेंगे।

**रोहित को रन बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी : राठौर**

नामांगण। भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम गाठोर ने शुक्रवार को मजबूत ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण के खिलाफ टर्निंग पिच पर शानदार शतक लगाने और टीम को शीर्ष पर पहुंचाने के लिए नानरन रोहित शर्मा की प्रशंसन की। रोहित ने नाथन लियोन और पैट कर्मस जैसे गेंदबाजों के शानदार आक्रमण के खिलाफ धीमी, टर्निंग पिच पर 345 मिनट तक बल्लेबाजी की ओर शानदार 120 रन बनाए। रोहित के शतक, रवींद्र जडेजा और अश्वर पटेल के बीच आठवें विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी ने भारत को बढ़ाव लेने में मदद की।

**दिल्ली कैपिटल्स ने की कोचिंग स्टाफ की घोषणा**

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई में 4-26 मार्च के बीच हानेवाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन संस्करण से पहले अपने कोचिंग स्टाफ की घोषणा की है। जोनाथन बैटी, जिन्होंने 2021 और 2022 में द हॉट टाइटल के लिए ओवल इनविजबल महिला टीम को कोचिंग थी थी, को टीम का मुख्य कोच नामित किया गया है। बैटी ने महिला बिंग बैश लीग में शामिल होना चाहिए। उनके लिए रोहित को कोच के रूप में डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन में शामिल होना चाहिए। इसपाइन

## जडेजा पर लगा मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी। नागपुर

भारतीय हरफनमौला खिलाड़ी रवींद्र जडेजा पर गुरुवार को नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के लिए अपने गेम्स के खिलाड़ी सहित जडेजा को 46वें और वर्ष में घटी, जब जडेजा ने मैदानी अंगताएं से अनुपति लिए बिना ही अपने गेंदबाजी हाथ की तर्जी कांतली पर क्रीम लगाई। जडेजा ने अपाराध स्वीकार किया और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। इसके

अलावा, जडेजा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जिनके लिए वह 24 महीने की अवधि में पहला अपाराध था। यह घटना ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 46वें और वर्ष में घटी, जब जडेजा ने 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। जडेजा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहित जडेजा की तर्जी कांतली पर क्रीम लगाई। कर्मियों के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 का उल्लंघन करते पाया गया है, जो खेल की भावना के विपरीत आचरण प्रदर्शित करने से संबंधित है। इसके

एजेंसी। नागपुर

भारतीय हरफनमौला खिलाड़ी रवींद्र जडेजा पर गुरुवार को नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लिए अपने गेम्स के खिलाड़ी सहित जडेजा को 46वें और वर्ष में घटी, जब जडेजा ने मैदानी अंगताएं से अनुपति लिए बिना ही अपने गेंदबाजी हाथ की तर्जी कांतली पर क्रीम लगाई। जडेजा ने अपाराध स्वीकार किया और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी।

## खेल

# पाक के खिलाफ शुरुआत करेगा भारत

महिला टी-20 विश्व कप का मुकाबला आज से

चिर प्रतिद्वंद्वी भारत व पाकिस्तान होंगे आमने-सामने

एजेंसी। नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका में चल रहे आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप में भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अधियान की शुरुआत करेगी। हरमनजीत कोर के नेतृत्व में भारतीय टीम के पास स्मृति मंधाना



का अनुभव और देश को अंडर-19 विश्व कप का खिलाफ दिलानेवाली शैफाली वर्मा व ऋचा

धोष जैसी युवा खिलाड़ी हैं, जिनका आत्मविश्वास आसमान छू रहा है। हरमनजीत कीर तेज रेणुका

स्मृति का खेलना संदिग्ध

भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ महिला टी-20 विश्व कप में टीम के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआत में उल्लंघन की बदलते की ओर आधिकारिक दृष्टि द्वारा इसकी अवधियान की तरफ लग गई है। मारुप को हमवतन निवार डार और आयशा नसम से ज्यादा उम्मीद होंगी, जो टी-20 क्रिकेट की दो सबसे विस्कोटक क्रिकेट की दो सबसे विस्कोटक क्रिकेट हैं। भारतीय टीम टूर्नामेंट के गुप्त ए चरण में पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, आयरलैंड के साथ शामिल है।

शुरुआत में महत्वपूर्ण होगा।

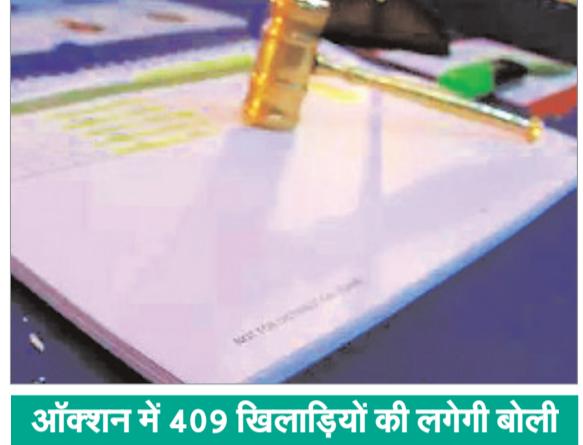
दूसरी तरफ, पाकिस्तान महिला राष्ट्रीय टीम की कप्तान बिस्माह मारुप प्रमुख टूर्नामेंट में अपने देश के प्रदर्शन में सुधार करने और विश्व कप में टीम की किस्मत को बदलने की कोशिश कर रही है। मारुप को हमवतन निवार डार और आयशा नसम से ज्यादा उम्मीद होंगी, जो टी-20 क्रिकेट की दो सबसे विस्कोटक क्रिकेट हैं। भारतीय टीम टूर्नामेंट के गुप्त ए चरण में पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, आयरलैंड के साथ शामिल है।

## महिला प्रीमियर लीग : कल से मुंबई में शुरू होगी नीलामी महिला नीलामीकर्ता नियुक्त

बीसीसीआई ने नीलामी प्रक्रिया के संचालन के लिए महिला नीलामीकर्ता को किया है शामिल

एजेंसी। मुंबई

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की पहली नीलामी सोमवार को मुंबई में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने नीलामी के संचालन के लिए एक महिला नीलामीकर्ता को शामिल किया है। क्रिकेट एक रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला नीलामीकर्ता को शामिल किया है। क्रिकेट एक एक बाय-ए हाथ की सोलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का मानना है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) ही एक ऐसी चीज़ है, जो देश में महिला क्रिकेट से गायब थी।



ऑक्शन में 409 खिलाड़ियों की लगेगी बोली

रिपोर्ट में पांच टीमों को बीसीसीआई के संचालक के संचालन से कहा गया है : फ्रेंचाइजी को न्यूनतम (15) और अधिकतम (30) स्वीकार आकार, न्यूनतम स्वीकार खर्च (9 करोड़) और स्वीकार विवेदी खिलाड़ियों की अधिकतम संख्या (6) के संबंध में डब्ल्यूपीएल स्लेवर ऑक्शन में कुल 409 खिलाड़ियों की बोली लगेगी, जिनमें से 246 भारतीय क्रिकेटर और 163 दिवान दिवान नियमों से आठ खिलाड़ियों सहित देशी खिलाड़ियों को उनकी विशेषज्ञता के आधार पर सेट में प्रस्तुत किया जाएगा।

कि उन्हें टीम में कम से कम 12 करोड़ रुपए होंगे, जिसमें खिलाड़ियों को लाना है जबकि न्यूनतम खर्च जौ करोड़ रुपए प्रत्येक पक्ष को केवल छह विदेशी खिलाड़ियों को खरीदने की अनुमति होगी।

कि उनके बाल भाली 13 फरवरी को मुंबई में होगी। मैं पहली बार महिला प्रीमियर लीग को लेकर उत्तमता है। मैं इंजार कर रहा हूं। मूल लगत है कि बिल्ड-अप अद्वृत हूं कि अंतर्राष्ट्रीय टीम के लिए एक नियम इंजार कर रहे हैं। मैं उत्तमता हूं कि अंतर्राष्ट्रीय टीम के लिए एक नियम इंजार कर रहा हूं।

कि बिल्ड-अप अद्वृत हूं कि अंतर्राष्ट्रीय टीम के लिए एक नियम इंजार कर रहा हूं।

कि बिल्ड-अप अद्वृत हूं कि अंतर्राष्ट्रीय टीम के लिए एक नियम इंजार कर रहा हूं।

कि बिल्ड-अप अद्वृत हूं कि अंतर्राष्ट्रीय टीम के लिए एक नियम इंजार कर रहा हूं।

कि बिल्ड-अप अद्वृत हूं कि अंतर्राष्ट्रीय टीम के लिए एक नियम इंजार कर रहा हूं।

कि बिल्ड-अप अद्वृत हूं कि अंतर्राष्ट्रीय टीम के लिए एक नियम इंजार कर रहा हूं।

कि बिल्ड-अप अद्वृत हूं कि अंतर्राष्ट्रीय टीम के लिए एक नियम इंजार कर रहा हूं।

कि बिल्ड-अप अद

केंद्र 30 लाख मीट्रिक  
टन गेहूं की बिक्री करेगा

नई दिल्ली। गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतों को कम करने के लिए सरकार ने ओपेम मार्केट डिस्पॉजल स्कीम (एसेएसएस) के तहत 30 लाख मीट्रिक टन गेहूं को बेचेंगे और राज्य सरकारें, केंद्रीय भंडार, नेशनल कंजूमर कोऑपरेटिव फेडरेशन (एसीसीएफ), नेशनल एप्रीलियर्स एपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन अैफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड), राज्य सहकारी समितियों संघों आदि को बिक्री करने का फैसला किया है।

**गुजरात सरकार ने जंती दर वृद्धि को दो महीने के लिए रोका**

गांधीनगर। रियल एस्टेट क्षेत्र के विविध के बीच, मुख्यमंत्री थॉर्पे पटेल ने नई जंती दरों (रेडी रेकर रेट्स/सर्कल) के कार्यान्वयन को दो महीने के लिए दालाने का फैसला किया है। स्वास्थ्य मंत्री और कैविनेट मंत्री थॉर्पेक्ष पटेल ने शनिवार को एक बयान में कहा, जैसा कि रियल एस्टेट क्षेत्र ने आगे वित्तीय वर्ष (2023-24) से नई जंती दरों (रेडी रेकर रेट्स/रेट्सरेट) को लागू करने की मांग की, कार्यान्वयन का निर्णय 15 अप्रैल, 2023 तक के लिए स्थगित कर दिया गया। 3

फरवरी को, सरकार ने अगले दिन से पूरे राज्य में जंती दरों में 100 प्रतिशत की वृद्धि की थी।

**वेदांता ने ओडिशा के सुंदरगढ़ में कोयला**

**खनन शुरू किया**  
भुवनेश्वर। वेदांत ने प्रभावित ग्रामीणों के मुद्दों को हल करने के बाद शनिवार को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में जायकानी कायला खनन से परिचालन शुरू कर दिया। यह जायकानी एक अधिकारी को दो वेदांता लिमिटेड को जायकानी साइट सुंदरगढ़ में पिछले साल 23 दिसंबर से प्रभावित ग्रामीणों के आंदोलन के कारण गरिबोध बना हुआ था, जो मुआवजे और पुनर्वास कांडोंकी की मांग कर रहे थे। एप्रेल शनिवार के प्रशासन के लिए एप्रेल शनिवार के साथ साथ वेदांत अधिकारियों के बीच गहन बातचीत के बाद शुक्रवार को मुद्दों को सुलझा लिया गया। सुंदरगढ़ के एडीएम अधिनन्यु बेहरा ने कहा कि वैठक के बाद कंपनी ने काम शुरू कर दिया है।

**वीडियो के जरिये शुरू होगी डिजिटल डाक टिकट प्रदर्शनी**  
नई दिल्ली। दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के शनिवार को कहा कि डाक विभाग डाक टिकटों की डिजिटल प्रशस्ती शुरू करेगा। जिसमें सोसाइटी मॉडिंग मंत्रों पर डाक टिकटों के बारे में छोटी अवधि वाले वीडियो दिखाए जाएंगे। वैष्णव ने पांच विविध राज्यों डाक टिकट प्रदर्शनी 'अम्प्रेस 2023' के उद्घाटन सत्र में मंत्री को कहा कि डाक टिकटों की डिजिटल प्रदर्शनी 20 दिनों के भीतर शुरू हो जाएंगी। वैष्णव ने कहा, हम डाक टिकटों की डिजिटल प्रदर्शनी शुरू करेंगे।

**टाटा ग्रुप का शेयर टूटना जारी**  
एजेंसी। नई दिल्ली  
कहा जाता है कि शेयर मार्केट कैलकुलेशन का खेल है। अपर कैलकुलेशन एक बार फिट बैठा, तो नियेशकों के लिए बल्ले-बल्ले, बरना भारी नुकसान। हालांकि, शेयर मार्केट में स्टॉक का ऊपर-नीचे होना चलता रहता है। लेकिन कभी ऐसे शेयर भी टूटे गए हैं, जिनपर नियेशकों के बहुत अधिक विमानों को आंदर दिया है। ऐसा ही टिकट : एयरबस और बोइंग के भारत और दुनिया की एयरएशन इंडस्ट्री में बड़ी कंपनी के रूप में उभरार कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। एयर इंडिया ने एयरएशन इंडस्ट्री की अवतरक की टक्कर देना चाहता है। वहीं इंटरनेशनल मार्केट में वह अमेरिका के सबसे बड़ी डील की है। एयरलाइन ने एयरबस और बोइंग को 500 से अधिक विमानों को आंदर दिया है।

**टाटा ग्रुप का शेयर टूटना जारी**

एजेंसी। नई दिल्ली

कहा जाता है कि शेयर मार्केट

कैलकुलेशन का खेल है। अपर

कैलकुलेशन एक बार फिट

बैठा, तो नियेशकों के लिए

बल्ले-बल्ले, बरना भारी

नुकसान। हालांकि,

शेयर मार्केट में स्टॉक

का ऊपर-

नीचे होना चलता रहता है। लेकिन

कभी ऐसे शेयर भी टूटे गए हैं,

जिनपर नियेशकों के बहुत

अधिक विमानों को आंदर

दिया जाता है। ऐसा ही

टिकट : एयरबस और बोइंग के

भारत और दुनिया की एयरएशन

इंडस्ट्री में अब तक 28.27

फीसदी तक टूटा है। पिछले

पांच साल में ये एक साल

में अब तक 32.80

फीसदी तक टूटा है। यहीं

पिछले एक साल से लागतार

गिरावट हो रही है। एयरएशन

ने एयरबस और बोइंग को

500 से अधिक विमानों को

आंदर दिया है।

**टाटा ग्रुप का शेयर टूटना जारी**

एजेंसी। नई दिल्ली

कहा जाता है कि शेयर मार्केट

कैलकुलेशन का खेल है। अपर

कैलकुलेशन एक बार फिट

बैठा, तो नियेशकों के लिए

बल्ले-बल्ले, बरना भारी

नुकसान। हालांकि,

शेयर मार्केट में स्टॉक

का ऊपर-

नीचे होना चलता रहता है। लेकिन

कभी ऐसे शेयर भी टूटे गए हैं,

जिनपर नियेशकों के बहुत

अधिक विमानों को आंदर

दिया जाता है। ऐसा ही

टिकट : एयरबस और बोइंग के

भारत और दुनिया की एयरएशन

इंडस्ट्री में अब तक 28.27

फीसदी तक टूटा है। ये

एक पांच साल में ये एक साल

में अब तक 32.80

फीसदी तक टूटा है। यहीं

पिछले एक साल से लागतार

गिरावट हो रही है। एयरएशन

ने एयरबस और बोइंग को

500 से अधिक विमानों को

आंदर दिया है।

**टाटा ग्रुप का शेयर टूटना जारी**

एजेंसी। नई दिल्ली

कहा जाता है कि शेयर मार्केट

कैलकुलेशन का खेल है। अपर

कैलकुलेशन एक बार फिट

बैठा, तो नियेशकों के लिए

बल्ले-बल्ले, बरना भारी

नुकसान। हालांकि,

शेयर मार्केट में स्टॉक

का ऊपर-

नीचे होना चलता रहता है। लेकिन

कभी ऐसे शेयर भी टूटे गए हैं,

जिनपर नियेशकों के बहुत

अधिक विमानों को आंदर

दिया जाता है। ऐसा ही

टिकट : एयरबस और बोइंग के

भारत और दुनिया की एयरएशन

इंडस्ट्री में अब तक 28.27

फीसदी तक टूटा है। ये

एक पांच साल में ये एक साल

में अब तक 32.80

फीसदी तक टूटा है। यहीं

पिछले एक साल से लागतार

गिरावट हो रही है। एयरएशन

ने एयरबस और बोइंग को

500 से अधिक विमानों को

आंदर दिया है।

**टाटा ग्रुप का शेयर टूटना जारी**

एजेंसी। नई दिल्ली

कहा जाता है कि शेयर मार्केट

कैलकुलेशन का खेल है। अपर

कैलकुलेशन एक बार फिट

बैठा, तो नियेशकों क

